

मुख्य संपादक एवं संपादक की कलम से...



मनोज सिंह

अध्यक्ष, एसआईआरडी एवं
मुख्य संपादक, परमाणु विज्ञान

(मनोज सिंह)



सैयद इरफ़ान अली

उप निदेशक (राजभाषा) एवं
संपादक, परमाणु विज्ञान

(सैयद इरफ़ान अली)

विज्ञान के विविध आयामों, नवीनतम अनुसंधानों एवं समकालीन वैज्ञानिक उपलब्धियों पर केंद्रित 'परमाणु विज्ञान' के द्वितीय अंक को सुधी पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह अंक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के निरंतर विकसित होते परिदृश्य को प्रतिबिंबित करता है तथा विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे नवीन एवं अद्यतन अनुसंधान, नवाचारों और वैज्ञानिक प्रगति को सरल एवं सहज भाषा में पाठकों तक पहुँचाने का एक विनम्र प्रयास है।

पर्यावरण, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी किसी भी प्रगतिशील एवं समृद्ध समाज की सुदृढ़ आधारशिला है। इन क्षेत्रों में होने वाली प्रगति न केवल सतत विकास के लक्ष्यों को गति प्रदान करती है, बल्कि शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक जागरूकता और आर्थिक विकास को भी नई दिशा देती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं तार्किक सोच का विकास एक जागरूक और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमें विश्वास है कि इस अंक के लेख पाठकों को नई वैज्ञानिक जानकारीयों से समृद्ध करने के साथ-साथ भावी लेखकों एवं युवा वैज्ञानिकों को हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के सृजन के लिए प्रेरित करेंगे।

इस अंक में हम, 16 लेखों का संग्रह प्रस्तुत कर रहे हैं, जो विज्ञान की विविध शाखाओं जैसे आयुर्विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, हरित ऊर्जा, कृषि, विकिरण, शून्य कार्बन उत्सर्जन, इत्यादि पर आधारित हैं। इसमें विषय-विशेषज्ञ लेखकों द्वारा ब्यौरे-वार चर्चा की गई है। इस अंक से 'कुछ अनकही दास्तानें' कॉलम लेखन प्रारंभ कर रहे हैं। आशा करते हैं कि आप सभी को यह नया स्तंभ लेखन पसंद आएगा।

पत्रिका को और अधिक उपयोगी, प्रासंगिक एवं पाठक-केंद्रित बनाने के लिए, हम इस अंक से 'पढ़ें, परखें, सुझाव दें' कॉलम प्रारंभ कर रहे हैं। आपके सुझाव एवं प्रतिक्रियाएँ हमारे लिए अत्यंत मूल्यवान हैं। अतः हम सभी सुधी पाठकों से अनुरोध करते हैं कि आप अपने विचार, सुझाव एवं प्रतिक्रियाएँ हम तक निरंतर ईमेल के माध्यम से पहुँचाते रहें। आपके बहुमूल्य सुझावों से पत्रिका की गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा समाज में इसकी स्वीकार्यता एवं पहुँच को और व्यापक बनाने में सहायता मिलेगी।

हम, पत्रिका की परामर्श एवं संपादन समिति के विशेषज्ञों के प्रति विशेष सहयोग हेतु आभार व्यक्त करते हैं। हम उन विद्वान लेखकों एवं रचनाकारों के प्रति अत्यंत आभारी हैं जिन्होंने 'परमाणु विज्ञान' के इस अंक हेतु अपने लेख प्रेषित किए हैं। आगे भी, विद्वान लेखकों से इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा रहेगी।